No. of Printed Pages : 8

# BHMCT-103

## B. A. (HONOURS) (PERFORMING ARTS) HINDUSTANI MUSIC (BAPFHMH)

## Term-End Examination

## December, 2022

### BHMCT–103 : FUNDAMENTALS OF HINDUSTANI MUSIC

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

***Note :*** *All questions are compulsory.*

1. Define the following terms : 10

   (a) Graha Swara

   (b) Gram

   (c) Moorchchana

   (d) Deshi

   (e) Margi

2. Match the following : 10

| | | | |
|---|---|---|---|
| (a) | Uttarmandra | (i) | 13th Century Treatise |
| (b) | Saarana Chatushtay | (ii) | Pt. Ahobal |
| (c) | Sangeet Samay Sara | (iii) | Rainy Season Raga |
| (d) | Sangeet Ratnakar | (iv) | Spring Season Raga |
| (e) | Sangeet Parijaat | (v) | Sandhi Prakash Raga |
| (f) | Malhar | (vi) | Paramel Praveshak Raga |
| (g) | Hindol | (vii) | Shadaj Gramik Moorchhana |
| (h) | Raga Jaijaiwanti | (viii) | Bharatamuni |
| (i) | Roopak Taal | (ix) | Acharya Parhwadeva |
| (j) | Raga Bhairav | (x) | 7 Matras |

3. Fill in the blanks with appropriate words : 10

   (a) The system of classification of Ragas in medieval period was known as ..... ..... Paddhati.

   (b) Sri Narayan Moreshwar Khare propounded ..... Paddhati for classification of Ragas in 20th century.

   (c) ..... Swar is the note where one can come again and again and rest while elaborating the notes of a Raga.

   (d) ..... ..... is the measure of one Shruti.

   (e) Teevra is the first Moorchchhana of ..... Grama.

4. Answer in brief to any *five* of the following : 30

   (a) Write down the names of *seven* Shadaj-Gram Moorchhanas with their Swaras.

   (b) Elaborate briefly on 'Rag-Ragini Vargikaran' system.

   (c) Write down the ten Thaata names and structure of the notes against each Thaata.

   (d) Explain the features of Thaata as laid down by Pt. Bhatkhande.

   (e) Elaborate the concept of 'Ragang classication' of Ragas.

(f) Write a brief note on the contribution of captain N. Augustus to the Hindustani Music.

5. Write elaborate answers to any *four* of the following in **400** words : 40

(a) Write in detail the contribution of Raja Saurindra Mohan Thakur in the field of Hindustani Music.

(b) Write in detail the reforms made by Pt. Bhatkhande to contemporise the system of Hindustani Music.

(c) Elaborate on the time theory in Hindustani Music.

(d) Analyze the role of European scholars in presenting the Indian Music on the world music stage.

(e) Describe the contents of the ancient treatise 'Sangeet Samay Sara'.

(f) Give brief details of Taala Roopak and Tilwada and write down their 'Thekas'.

# BHMCT–103

## बी. ए. ( ऑनर्स ) ( प्रदर्शन कला ) हिन्दुस्तानी संगीत

## ( बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2022

## बी.एच.एम.सी.टी.-103 : हिन्दुस्तानी संगीत के मूलभूत तत्व

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

***नोट*** : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित की परिभाषा बताइये : 10

   (क) ग्रह स्वर

   (ख) ग्राम

   (ग) मूर्च्छना

   (घ) देशी

   (ङ) मार्गी

2. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए : 10

| | |
|---|---|
| (क) उत्तरमन्द्रा | (i) तेरहवीं शताब्दी का ग्रन्थ |
| (ख) सारणा चतुष्टय | (ii) पं. अहोबल |
| (ग) संगीत समय सार | (iii) वर्षाकालीन राग |
| (घ) संगीत रत्नाकर | (iv) वसंत ऋतु राग |
| (ङ) संगीत पारिजात | (v) संधिप्रकाश राग |
| (च) मल्हार | (vi) परमेल प्रवेशक राग |
| (छ) हिंडोल | (vii) षडज ग्रामिक मूर्च्छना |
| (ज) राग जैयजैयवन्ती | (viii) भरतमुनि |
| (झ) रूपक ताल | (ix) आचार्य पार्श्वदेव |
| (ञ) राग भैरव | (x) 7 मात्राएँ |

3. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान भरिए : 10

(क) मध्यकालीन राग वर्गीकरण प्रणाली को ..... ..... पद्धति कहा जाता था।

(ख) श्री नारायण मोरेश्वर खरे ने बीसवीं सदी में रागों के वर्गीकरण के लिये ..... पद्धति का प्रवर्तन किया।

(ग) ..... स्वर वह है जिस पर राग गायन करते हुए बार-बार आकर विश्राम के लिये रुका जाता है।

(घ) ..... ..... एक श्रुति के माप को कहते हैं।

(ङ) तीव्रा ..... ग्राम की पहली मूर्च्छना है।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का संक्षिप्त में उत्तर दीजिए : 30

(क) षडज ग्रामीण **सात** मूर्च्छनाओं के नाम बताइये और उनकी स्वर संरचना भी साथ में बताइये।

(ख) राग-रागिनी वर्गीकरण पद्धति का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(ग) पं. भातखण्डे द्वारा बताई गई **दस** थाटों के नाम और उनकी स्वर संरचना बताइये।

(घ) पं. भातखण्डे द्वारा वर्णित थाट के लक्षणों को बताइये।

(ङ) रागांग पद्धति के बारे में संक्षिप्त रूप से समझाइये।

(च) हिन्दुस्तानी संगीत के क्षेत्र में कैप्टेन एन. ऑगस्टस के योगदान के बारे में बताइये।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के **400** शब्दों में उत्तर दीजिए : 40

(क) हिन्दुस्तानी संगीत के क्षेत्र में राजा सौरीन्द्र मोहन ठाकुर के योगदान का विस्तृत विवरण दीजिये।

(ख) हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के आधुनिकीकरण के लिये पं. भारतखण्डे द्वारा किये गये सुधारों का विवरण दीजिये।

(ग) हिन्दुस्तानी संगीत में समय सिद्धान्त को विशद रूप में समझाइये।

(घ) विश्व संगीत मंच पर भारतीय संगीत की जगह बनाने में विदेशी विद्वानों की भूमिका पर आलोकपात कीजिये।

(ङ) 'संगीत समय सार' ग्रन्थ की सामग्री का विवरण दीजिए।

(च) रूपक और तिलवाड़ा ताल का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके ठेके को लिखिये।